32 कालेजों के 1,596 छात्रों के सेमेस्टर परीक्षा के अंक पोर्टल पर अपलोड नहीं

यूटीयू

- 15 जून को समाप्त हुई परीक्षा, आज तक विवि के यूएमएस पोर्टल पर अंक अपलोड नहीं
- संबंधित कालेजों के छात्रों का परीक्षाफल समय पर जारी नहीं होने की लटकी तलवार

जागरण संवाददाता, देहरादून : परीक्षा संपन्न होने के 37 दिन बाद भी वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) से संबद्ध समस्त कैंपस परिसर, राजकीय, सहायता प्राप्त अशासकीय और स्ववित्तपोषित 32 संस्थानों के 1,596 छात्र-छात्राओं के सेमेस्टर व प्रयोगात्मक परीक्षा के अंक विवि के पोर्टल पर अभी तक अपलोड नहीं किए हैं। जिससे इन छात्रों के परीक्षा परिणाम पर तलवार लटक गई है।

विवि की प्रभारी परीक्षा नियंत्रक डा. स्वाति सिंह राजपूत ने समस्त संस्थानों के निदेशक व प्राचार्य को पत्र भेजकर एक-दो दिन के भीतर अनिवार्य रूप से सम सेमेस्टर लिखित परीक्षा और प्रयोगात्मक परीक्षा अंक विवि के यूएमएस पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश जारी किए। समय पर छात्रों के प्राप्तांक अपलोड नहीं करने वाले संस्थानों पर कार्रवाई की जाएगी। परिणाम परिणाम में विलंब होने की जिम्मेदारी भी संबंधित संस्थानों की होगी।

यूटीयू की सम सेमेस्टर की परीक्षा तीन से 10 जून के बीच आयोजित की गई थी। इसके बाद संस्थानों को प्रयोगात्मक परीक्षा का एक सूक्ष्य वीडियो बनाना था, ताकि बिना प्रयोगात्मक परीक्षा कराए सीधे कापी पर नंबर देने वाले संस्थानों पर कार्रवाई हो सके। यूटीयू से संबद्ध सभी संस्थानों को 15 जून से तक प्रयोगात्मक परीक्षा करानी थी। विवि की ओर से दी गई नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक प्रयोगात्मक परीक्षा के लिखित एवं मौखिक रूप से आयोजित करने का दो से पांच मिनट का सूक्ष्य वीडियो बनाना था और उसे अपने यहां सुरक्षित रखना था। इस वीडियो को सम सेमेस्टर की लिखित परीक्षा अंकों के साथ यूटीयू के परीक्षा विभाग को उपलब्ध करवाना है, लेकिन 32 संस्थानों ने अपने यहां पढ़ने वाले करीब 16 सौ छात्र-छात्राओं के अंक अभी तक अपलोड नहीं किए हैं।

यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने कहा कि विवि जो भी नियम बना रहा है, वह शिक्षा गुणवत्ता को अपग्रेड करने के लिए है। परीक्षा पारदर्शी हो और होनहार छात्र-छात्राओं को पूरा मौका मिले, विवि इस ध्येय से आगे बढ़ रहा है।

प्रयोगात्मक परीक्षा में फर्जीवाड़े को रोकने की है कोशिश

यूटीयू ने इस बार परीक्षाओं से लेकर उपस्थिति तक में निजी कालेज स्तर पर होने वाले फर्जीवाड़े पर न केवल अंकुश लगाया, बल्कि इसे रोकने के लिए कड़े कदम भी उठाए हैं। पहले विवि ने 840 ऐसे छात्रों को सेमेस्टर परीक्षा में बैठने से रोकने के आदेश जारी किए, जिनकी उपस्थिति 75 प्रतिशत से कम थी। इसके बाद सेमेस्टर परीक्षा में उड़नदस्तों ने 50 से अधिक नकलचियों को पकड़ा। फिर प्रयोगात्मक परीक्षा कराए बगैर सीधे उत्तर पुस्तिका में नंबर चढ़ाने पर पूरी तरह अंकुश लगे, इसे देखते हुए प्रयोगात्मक परीक्षा का वीडियो बनाने के निर्देश दिए।